केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406


# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 234 गुरूवार 19 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रूपया www.bhartiyabasti.com


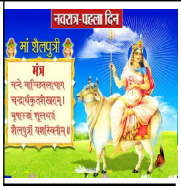


## एक नजर

### बसपा महादेवा विधानसभा प्रभारी बने राम सागर गौतम उर्फ पप्पू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला प्रभारी राम सागर गौतम उर्फ पप्पू नेता को पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी के द्वारा महादेवा विधानसभा के प्रभारी नियुक्त किया गया है। राम सागर गौतम लंबे समय से पार्टी संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनकी कार्यशैली और जमीनी पकड़ को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर फिर से भरोसा जताया है। जिले में उनके समर्थकों द्वारा बधाई और शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरू हो गया। बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और संगठन को और मजबूत करने की उम्मीद जताई। राम सागर गौतम ने सभी समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम करेंगे।

### रोजगार सेवकों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकास क्षेत्र साऊघाट के रोजगार सेवकों द्वारा खंड विकास अधिकारी को अपनी छः सूत्रीय मॉगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। रोजगार सेवकों ने वीडीओ से अपने 9 से 12 माह के बकाए मानदेय को दिलाने की मॉग किया गया हैं। रोजगार सेवकों ने कहा कि मानदेय न मिलने से दीपावली, शिवरात्रि होली व ईद जैसे पर्व से हम व हमारे बच्चें अछूते रह गये और हम सभी भुखमरी के शिकार हो गये हैं। आगामी अप्रैल माह में शिक्षण सत्र शुरू हो जाने से हम रोजगार सेवक अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश नहीं करा पाएगें। रोजगार सेवकों ने वीडीओ से कहा कि बकाया मानदेय, ईज ऑफ लीविंग का पारिश्रमिक, ईपीएफ कटौती, मिशन अन्त्यो दय का पारिश्रमिक एवं उच्चगुणवत्ता पूर्ण मोबाइल फोन आदि की मॉग किया गया हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष अमित किशोर यादव ने कहा कि हम रोजगार सेवकों के उपरोक्त समस्याओं का निदान नहीं हुआ तो डीएम कार्यालय पर धरना देने को बाध्य होगें। जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष कैशो यादव, ऋतुराज चौधरी, सतीशचन्द्र, मो० खालिद, अरूण कुमार, शिवेन्द्र चौधरी, ज्योति गिरी, सोनमती चौधरी, अर्चना मौर्या, सुमन पाण्डेय,सावित्री यादव, श्वेता गौतम, सुनीता चौधरी, झिनकी देवी, सरिता शर्मा, लार्ड सेक्सपीयर, अमित कुमार, विशाल सिंह, संजय प्रताप शर्मा, विनय पाठक, लक्ष्मण शुक्ला, सर्वजीत, रिंकू शुक्ला, विश्वनाथ, हरिश्चन्द्र चौधरी सहित समस्त रोजगार सेवक मौजूद रहें।

### सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष आनंद राजपाल ने पदाधिकारियों , भवनस्वामियों से अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन देकर हाउस टैक्स के निर्धारण मे संगठन को विश्वास मे लेकर पुनः विचार करने की मांग किया है। अन्यथा की स्थिति में 23 मार्च को नगरपालिका का घेराव कर निर्णायक संघर्ष की शुरूआत की जायेगी। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी ईओ की होगी।

# योगी सरकार ने पूरे किये 9 साल

लखनऊ (आभा)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने 9 वर्ष पूरे कर लिये। अब अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं देखना होगा कि योगी सरकार हैट्रिक लगा पाती है या नहीं लेकिन यह तो दिख ही रहा है कि योगी सरकार आत्मविश्वास से लबरेज नजर आ रही है। बता दें कि अपने कार्यकाल के 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए प्रदेश में हुए विकास का श्रेय जनता को भी देते हुए कहा कि यह जनता जनार्दन के सहयोग का ही परिणाम है।

देखा जाये तो योगी के नेतृत्व में 9 वर्षों का कार्यकाल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक पड़ाव के रूप में देखा जा सकता है। इस अवधि में राज्य ने विकास, कानून–व्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन अनुभव किए हैं। विकास के मोर्चे पर प्रदेश में आधारभूत संरचना के विस्तार जैसे एक्सप्रेस–वे, हवाई अड्डों, औद्योगिक गलियारों और निवेश परियोजनाओं ने उत्तर प्रदेश को एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में गति दी है। निवेश आकर्षित करने के प्रयासों और रोजगार सृजन की पहल ने राज्य की आर्थिक छवि को सुदृढ़ किया है। इसके अलावा, कानून–व्यवस्था के क्षेत्र में योगी सरकार ने सख्ती और जवाबदेही पर विशेष बल दिया है। अपराध पर नियंत्रण, माफिया के खिलाफ कार्रवाई और पुलिस व्यवस्था में सुधार के प्रयासों ने आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाया है। यह बदलाव प्रदेश की सामाजिक स्थिरता के लिए एक अहम आधार बना है।

साथ ही, योगी सरकार ने सनातन संस्कृति और धार्मिक विरासत को भी प्रमुखता दी है। अयोध्या, काशी, मथुरा और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों के विकास और संरक्षण के माध्यम से सांस्कृतिक अस्मिता को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया गया है। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि भारतीय परंपरा और आस्था को वैश्विक मंच पर भी नई पहचान मिली है।

## कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे कुलवेन्द्र सिंह को मुख्यमंत्री ने भेंट किया एक लाख का चेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कैलाश मान सरोवर यात्रा से लौटे बादशाही अखाड़ा के सरदार कुलवेन्द्र सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोक भवन में एक लाख रूपये का चेक भेंट कर सम्मानित किया।

कुलवेन्द सिंह नाथुला दर्रा मार्ग से कैलाश मान सरोवर यात्रा करने वाले प्रथम सिख है। उन्होने सरकार के व्यवस्था की सराहना करते हुये बताया कि उनकी टीम में उत्तर प्रदेश से 6 सदस्य थे और विपरीत परिस्थितियों में भी यात्रा सुखद रही। उन्होने युवा पीढी का आवाहन किया कि वे युवा अवस्था में धार्मिक स्थानों की यात्रा करें इससे उनके जीवन में रचनात्मक बदलाव आयेगा। उन्होने बताया कि लोक भवन में कैलाश मान सरोवर सेवा समिति के अध्यक्ष के.के. सिंह और आनन्द पाल निवेडिया, डा. आर.एस. भदौरिया ने उत्तर प्रदेश से कैलाश मान सरोवर की यात्रा करने वाले 555 यात्रियों का स्वागत कर उत्साह बढाया।

## क्रिकेटर शुभम पाण्डेय की पहल पर चन्दोखा में शुरू हुआ सड़क निर्माण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। क्रिकेटर शुभम पाण्डेय की पहल पर रामनगर विकास खण्ड के चन्दोखा गांव में बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। लंबे समय से जर्जर सड़क और खराब आवागमन की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों के लिए यह खबर बड़ी राहत देने वाली है। सड़क निर्माण कार्य शुरू होते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने इस पहल का स्वागत किया।

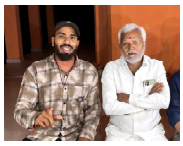

बताया जा रहा है कि इस कार्य के पीछे स्थानीय क्रिकेटर शुभम पाण्डेय की अहम भूमिका रही है, जो लगातार अपने गांव चन्दोखा के विकास को लेकर प्रयासरत रहते हैं। उनकी पहल और सक्रियता के चलते यह मुद्दा जनप्रतिनिधियों तक पहुंचा और आखिरकार सड़क निर्माण का रास्ता साफ हुआ।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने भी इस मामले में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई और लक्ष्मी पूजा के अवसर पर सड़क निर्माण का वादा किया था। वादे के तुरंत बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर भेजकर सड़क की नपाई करवाई थी, जिससे निर्माण कार्य में देरी न हो। अब उनका यह वादा धरातल पर उतरता नजर आ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार से जुड़ी सुविधाओं में भी सुधार आएगा। बच्चों को स्कूल जाने में आसानी होगी और बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचने में कम समय लगेगा।

## टोल प्लाजा पर मनमानी वसूली बंद करने की मांगः सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और सल्टौआ ब्लाक अध्यक्ष डी.के. वर्मा धनंजय के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि जनपदवासियों को टोल टैक्स में राहत और इससे मुक्ति दिलाया जाय।

4 सूत्रीय ज्ञापन में कहा गया है कि जनपदवासियों से टोल टैक्स न लिया जाय। टोल की संख्या और व्यवस्था की समीक्षा कर आम जनता को राहत देते हुये हर्रैया का टोल 50 प्रतिशत किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और सल्टौआ ब्लाक अध्यक्ष डी.के. वर्मा धनंजय एवं विकास कुमार चौधरी ने कहा कि जनपद में दो स्थानों पर टोल होने के कारण नागरिकों और वाहन स्वामियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। मड़वानगर टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहनों से बार–बार शुल्क देना पड़ता है। विशेषकर ट्रक, भारी वाहन चालक परेशान है। रूट परिवर्तन के कारण भी कठिनाइयां आ रही है। इसका समुचित समाधान निकाला जाय। ज्ञापन देने के दौरान हरीलाल चौधरी, मनीष कुमार, विजय वर्मा, दिलीप चौधरी, राम औतार चौधरी , अजीत चौधरी आदि शामिल रहे।

## भू– माफियाओं से जमीन और जान बचाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के मरहा निवासी कृष्ण प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया सिंह ने जिलाधिकारी के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर बंद रास्ते को खुलवाने की मांग किया है।

पत्र में कन्हैया सिंह ने कहा है कि क्षेत्र में भू–माफिया सक्रिय है और शड़यंत्रपूर्वक रास्ते को बंद किया जा रहा है। लेखपाल की भूमिका संदिग्ध है और वे प्रशासन को सही तथ्यों से अवगत नहीं करा रहे हैं। पत्र में कन्हैया सिंह ने कहा है कि 451 च मरहा जल मग्न क्षेत्र है और यहां उनकी जमीन है। डा. राकेश सिंह ने आस पास की जमीनों को खरीदा है और उनकी जमीन पर भू– माफियाओं, गुण्डो के बल पर जबरिया कब्जा करा लेना चाहते हैं। तहसील में उनका बहुत प्रभाव है। कन्हैया सिंह ने आशंका व्यक्त किया है कि दोषियों के विरूद्ध शीघ्र कार्यवाही न हुआ तो उनका और उनके भाई उदय प्रताप सिंह की हत्या तक करायी जा सकती है। उन्होने मांग किया कि समस्या का शीघ्र निस्तारण कराया जाय।

## ब्राम्हणों का हित सुभासपा में सुरक्षित सन्तोष पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को सुहेलदेव भारतीय समाजपार्टी द्वारा बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के मैसहिया गांव में मण्डल उपाध्यक्ष अरविन्द उपाध्याय के संयोजन में ब्राम्हण जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये सुभासपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय ने कहा कि पार्टी ब्राम्हणों के साथ ही समाज के सभी वर्गो के उत्थान के लिये निरन्तर संघर्षशील है। सर्व समाज की एकजुटता से ही राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन आयेंगे। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ब्राम्हण समाज के उत्थान के प्रति गंभीर हैं। इसी के चलते ब्राम्हण समाज के लोग तेजी के साथ पार्टी से जुड़ रहे हैं। कहा कि ब्राम्हणों का हित सुभासपा में सुरक्षित है।

ब्राम्हण जन चौपाल को

### -सुभासपा के ब्राम्हण जन चौपाल में एकजुटता पर जोर

एकजुटता से ही राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन आयेंगे। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ब्राम्हण समाज के उत्थान के प्रति गंभीर हैं। इसी के चलते ब्राम्हण समाज के लोग तेजी के साथ पार्टी से जुड़ रहे हैं। कहा कि ब्राम्हणों का हित सुभासपा में सुरक्षित है।

ब्राम्हण जन चौपाल को प्रदेश अध्यक्ष बौद्धिक प्रकोष्ठ वृजभूषण मिश्र, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील पाण्डेय, चतुर्भुजी पाण्डेय, जिला महासचिव राहुल पाण्डेय आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनावों में एकजुटता से ही पार्टी अपने राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य हासिल करने में सफल होगी। कार्यक्रम संयोजक अरविन्द उपाध्याय ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि विचारधारा के आधार पर इस सोच को जमीनी धरातल पर मजबूती से उतारना होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवकुमार शुक्ल, अतुल कुमार उपाध्याय, सोनू तिवारी, ओंकारनाथ पाण्डेय, वैजनाथ पाण्डेय, विजय प्रकाश चौबे, गोपाल मिश्र, मुकेश शर्मा, दीपेन्द्र दूबे, सन्तोष तिवारी, हिमांशु मिश्र, हरीश मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

## रोजगार मेले में 1455 अभ्यर्थियों का चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा शिवहर्ष किसान पी.जी. कॉलेज बस्ती में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला का सकुशल आयोजन किया गया। देश की जानी–मानी 18 प्रतिष्ठित कंपनियों ने अपने–अपने लगभग 2000 विभिन्न पदों पर भर्ती करने हेतु आई थी। इस रोजगार मेला के आयोजन में महेंद्र नाथ यादव सदर विधायक, विवेकानंद मिश्रा जिला अध्यक्ष भा.ज.पा., सरोज मिश्र प्रतिनिधि हर्रैया विधायक, अंकुर वर्मा प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पालिका बस्ती एवं अवधेन्द्र प्रताप वर्मा जिला सेवायोजन अधिकारी व श्रीमती सुष्मिता श्रीवास्तवा विभागाध्यक्ष प्राणि विज्ञान ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया।

विवेकानंद मिश्रा अध्यक्ष भा.ज.पा. सदर विधायक ने अपने संबोधन में अभ्यर्थियो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बहुत ही अच्छा मौका है कि जब अभ्यर्थी अपने ही जनपद में साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। जिला सेवायोजन अधिकारी ने प्रतिभागी अभ्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेला पूरी तरह से निःशुल्क है, अभ्यर्थीगण अपने शैक्षिक योग्यता के अनुसार अलग–अलग कंपनियों के आवेदित कक्ष में अपने–अपने बायोडाटा के साथ इंटरव्यू के माध्यम से चयन हेतु प्रतिभाग कर सकते हैं। इसके उपरांत माननीय अतिथिगणों द्वारा रोजगार मेला में विभिन्न कंपनियों में चयनित लगभग 21 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र/ऑफर लेटर भी वितरित किया गया।

प्रोफेसर सुष्मिता श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष प्राणी विज्ञान विभाग शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज ने अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सिद्धार्थ कुमार सहायक आचार्य हिंदी विभाग, शिवहर्ष किसान पी.जी. कॉलेज ने किया।

## निषाद पार्टी की हुंकार रैली 22 कोः तैयारी बैठक में बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निषाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व्यास मुनि निषाद ने बुधवार को सर्किट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी 22 मार्च को गोरखपुर में आयोजित प्रान्तीय अधिवेशन एवं मछुआरा एससी आरक्षण हुंकार रैली को लेकर तैयारी बैठक किया। कहा कि पार्टी निषाद समाज के साथ ही सर्व समाज के हितों को लेकर निरन्तर आवाज उठा रही है।

बैठक में प्रदेश महासचिव दीपू निषाद, जिलाध्यक्ष अशोक निषाद ने कहा कि आगामी 22 मार्च को गोरखपुर में आयोजित प्रान्तीय अधिवेशन एवं मछुआरा एससी आरक्षण हुंकार रैली में बस्ती से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक हिस्सा लेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष व्यास मुनि निषाद ने कहा कि मछुआरा समाज को आरक्षण के बावजूद उनका प्रमाण–पत्र नहीं बनवाया जा रहा है। ऐसे अनेक सवालों को लेकर पार्टी द्वारा प्रदेश में चार स्थानों पर प्रान्तीय अधिवेशन एवं मछुआरा एससी आरक्षण हुंकार रैली आयोजित होगा। 22 मार्च को गोरखपुर में आयोजित प्रान्तीय अधिवेशन में बड़ी संख्या में लोग हिस्सा लेंगे। इसकी व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही है।

तैयारी बैठक में मुख्य रूप से ज्ञान प्रकाश निषाद, रामू निषाद, धर्मराज निषाद, अजय निषाद, वृजमोहन निषाद, सी.पी. निषाद, यमुना निषाद, मनीषा निषाद, विजय कुमारी, पिताम्बर निषाद, आनन्द निषाद, विजय चौधरी, सत्येन्द्र निषाद आदि शामिल रहे।

## समता सम्मेलन में विमर्शः यूजीसी का नया कानून लागू कराये सरकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को समता मंच द्वारा चलाए जा रहे यूजीसी सशक्त कानून बने और लागू हो समता सम्मेलन के क्रम में प्रेस क्लब सभागार में समता सम्मेलन संपन्न हुआ। कामरेड रीता ने अध्यक्षता और संचालन कामरेड रामलौट ने किया।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुये भाकपा माले नेता कामरेड राकेश सिंह ने कहा यूजीसी कानून जाति उत्पीड़न,दमन के खिलाफ कानून को कोर्ट द्वारा लगाए गया रोक दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट द्वारा लगाया गया रोक हटाया जाना चाहिए,जिससे समाज में समता कायम हो। कहा कि यदि समय से सरकार नही लागू करती है तो आगे बड़ा आंदोलन होगा। विशिष्ट वक्ता इंकलाबी नौजवान सभा के प्रदेश नेता कामरेड राजू गुप्ता ने कहा प्रदेश व देश में नौजवानों में काफी गुस्सा है समय से यूजीसी लागू कानून नहीं लागू हुआ तो नौजवानों का गुस्सा रोड पर दिखाई पड़ेगा। कामरेड श्याम मनोहर जायसवाल, भाकपा के जिला सचिव का.अशर्फी लाल का. चंद्रभान समाजवादी नेता का रामशंकर निराला,डा.कैलाशचंद शर्मा,अंकुर गौतम, आदि लोगों ने सम्मेलन को संबोधित किया ।

जानकी प्रसाद राव, बुद्धि प्रकाश अधिवक्ता, राजारमपुर पूर्व प्रधान, इंकलाबी नौजवान सभा नेता सुनील कुमार प्रजापति, उदयराज यादव, राजाराम वरुण, राजकुमार प्रजापति, राजेन्द्र प्रसाद लेनिन, राम प्रकाश जिला अध्यक्ष अर्जक, राष्ट्रेश्याम अर्जक ,ज्ञान दास कनौजिया,राजेंद्र प्रसाद लेनिन आदि उपस्थित रहे।

## टेट के सवाल को लेकर शिक्षकों द्वारा पातीः भेजने का अभियान जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आवाहन पर शिक्षकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.), नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। शिक्षकों ने पाती भेजकर मांग किया कि टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराया जाय।

यह जानकारी देते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि बुधवार को परशुरामपुर कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र दुबे, कुदरहा अध्यक्ष चंद्रभान चौरसिया, रामनगर अध्यक्ष इंद्रसेन मिश्रा के नेतृत्व में टेट अनिवार्यता के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और प्रधानमंत्री को भेजा गया। बताया कि जनपद के सभी विकास खण्डों में चरणबद्ध ढंग से शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला अनवरत जारी है।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि पदाधिकारी हस्ताक्षर कराने के साथ ही आगामी 13 अप्रैल को जनपद स्तर पर मशाल जुलूस और 3 मई को लखनऊ में आयोजित महारैली में हिस्सा लेने के लिये प्रेरित कर रहे हैं। शिक्षकों की पाती पर हस्ताक्षर कराकर सम्बंधित को डाक और ई मेल से भेजा जा रहा है। इसके साथ ही जनपद के अनेक अनेक हिस्सों में शिक्षकों द्वारा पाती भेजी जा रही है। सफलता मिलने तक आन्दोलन जारी रहेगा । यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि शिक्षकों की पाती भेजने के दौरान लालेन्द्र कनौजिया, राजेन्द्र श्रीवास्तव, गौरव त्रिपाठी, राजीव पाण्डेय मंत्री रजनीश शुक्ल, सुनील पाण्डेय, शोभावती, किरण पाण्डेय, राघवेंद्र सिंह, आरती यादव, कमलेश वर्मा, सुनीता देवी, आरती यादव, अनिल गुप्ता, विनय सिंह आदि शामिल रहे।

*“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 19 मार्च 2026 गुरूवार

## सम्पादकीय

## युद्ध का उन्माद और मानवता

जब पूरे विश्व को प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ना था, तब कई देश युद्ध के उन्माद में इस कदर डूबे हुए हैं कि मानवीयता तार–तार हो रही है। सैन्य संघर्ष लगातार बढ़ते जाने से शांति कायम होने की उम्मीदें धूमिल पड़ रही हैं। हमलों का जख्म इतना गहरा है कि उसकी कीमत प्रायरू निर्दोष लोग चुका रहे हैं, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं। सबसे दुखद यह कि कई बड़े और यहां तक कि छोटे देश भी युद्ध संबंधी अंतरराष्ट्रीय नियम–कायदों को मानने के लिए तैयार नहीं। पूरी दुनिया ने गाजा से लेकर यूक्रेन और तेहरान तक यह देखा है कि किस तरह उन ठिकानों पर भी हमले किए गए, जो नियम के विरुद्ध था।

पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे सैन्य टकराव के बीच सोमवार रात जो दृश्य सामने आया, उससे साबित हो गया कि मानवीय संवेदनाओं के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया गया है। यह बेहद दुखद है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिससे चार सौ बेकसूर लोगों की मौत हो गई।

भारत ने इस मामले में उचित ही सवाल उठाया है कि रमजान के पवित्र माह में इस हवाई बमबारी को किस तरह से देखा जाए। युद्ध के दौरान गैरजरूरी हिंसा रोकने और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए बनाए गए नियमों में स्पष्ट कहा गया है कि जंग के दौरान आम नागरिकों, स्कूल–अस्पताल और शरण लेने वाली जगहों को निशाना नहीं बनाया जाएगा।

कोई देश रिहाइशी इलाकों, अस्पतालों, विद्यालयों और राहत केंद्रों पर हमला करता है, तो यह युद्ध अपराध है। मगर मानवीय तकाजे के बावजूद नियमों को ताक पर रख कर हमले किए जा रहे हैं, तो इसका मकसद क्या है? आज युद्ध की भयावह तस्वीरें हमारे पड़ोस से लेकर पूरे मध्य–पूर्व में दिखाई दे रही हैं। सैन्य हमलों में लोग बेघर हो रहे हैं। वे शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए मजबूर हैं।

बिजली–पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में उनका जीवन बदतर हो गया है। हवाई बमबारी में विद्यालयों और अस्पतालों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मासूम बच्चे और निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं, तो इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है?

## चुनाव की घोषणा और मतदाता सूची

निर्वाचन आयोग की ओर से चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की तारीख तय किए जाने के साथ ही अब वहां नए जन प्रतिनिधियों को चुने जाने की प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। इसके समांतर यह बहस का विषय है कि जिन जगहों पर अभी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अंतिम सूची तैयार होना बाकी है, वहां यह कैसे सुनिश्चित होगा कि सभी पात्र मतदाताओं को मतदान का अधिकार मिले।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी गई। पश्चिम बंगाल में दो चरण और बाकी जगहों पर एक चरण में चुनाव होंगे। इसी क्रम में अलग–अलग राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होंगे। मतदान की तारीखों की घोषणा के साथ ही अब इन जगहों पर चुनावी आचार संहिता लागू हो गई है। मगर कई बार राजनीतिक दल मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं की घोषणा पहले ही कर देते हैं। अब तक इस प्रवृत्ति पर कोई ठोस नियंत्रण नहीं हुआ है।

ज्यादातर मौकों पर चुनाव के ठीक पहले विशेष घोषणाएं और मुफ्त की सौगात देने को लेकर राजनीतिक दलों के बीच होड़–सी लग जाती है। इसमें सत्ताधारी दल को ऐसी घोषणा करने और तुरंत अमल करने का बेहतर मौका मिलता है।

असम में महिलाओं, विद्यार्थियों और चाय बागानों में काम करने वालों के लिए नकद भुगतान योजनाओं के जरिए भाजपा ने मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन हासिल करने के लिए मजबूत दांव खेला। हालांकि कई स्थानीय मुद्दों और विवादों पर उसे विपक्ष से चुनौती मिल सकती है। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव की घोषणा के ठीक पहले पुरोहितों और मुअज्जिनों के मासिक मानदेय में पांच सौ रुपए की बढ़ोतरी के अलावा कुछ अन्य घोषणाएं कीं। ऐसे फैसलों को जनहित में बताया जाता है, लेकिन विचित्र यह है कि मतदाताओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं की याद सत्ताधारी पार्टियों को चुनाव सिर पर आने के बाद ही आती है।

इन चुनावों में सबसे अहम मुद्दा यह उभरा है कि कई जगहों पर मतदाता सूची का काम अभी अंतिम स्वरूप में नहीं पहुंचा है। क्या बहुत सारे लोग भी वोट देने से वंचित रह जाएंगे, जिन्हें वैध मतदाता माना जाएगा? पश्चिम बंगाल में इस बार मतदाता सूची में बदलाव पर खासा विवाद है। एसआइआर के बाद अंतिम सूची से लगभग छियासठ लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। वहीं करीब साठ लाख मतदाताओं के नाम अभी भी विचाराधीन सूची में हैं।

मतदाता सूची से हटाए गए नाम, उन पर उठी आपत्तियां, सुधार के दावे आदि तमाम विवाद चुनाव की तारीख से पहले निपटा लिए जाएंगे या नहीं, यह सवाल बना हुआ है। अगर वैध मतदाता भी मतदान से वंचित रह गए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? समय पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मगर यह भी जरूरी है कि सभी सीटों पर हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कोई भी अपनी भागीदारी के अधिकार से वंचित न हो।

# दिव्यांगता को चुनौती देकर लिखी संघर्ष और सफलता की प्रेरक कहानी

–अखिल कुमार यादव–

हरियाणा के अहीरवाल क्षेत्र के एक छोटे से गांव से निकलकर देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करना किसी सपने के सच होने जैसा होता है। यह सपना साकार किया है हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी क्षेत्र के खटोटी कला गांव के दिव्यांग युवक नीतीश कुमार यादव ने। सीमित शारीरिक क्षमता, कठिन परिस्थितियों और लंबे संघर्ष के बावजूद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 847 हासिल कर यह साबित कर दिया कि अगर मन में दृढ़ निश्चय हो तो कोई भी बाधा सफलता की राह में स्थायी रूप से खड़ी नहीं रह सकती। उनकी यह उपलब्धि केवल एक परीक्षा में मिली सफलता नहीं है, बल्कि संघर्ष, धैर्य, आत्मविश्वास और परिवार के सहयोग से लिखी गई एक ऐसी प्रेरक कहानी है जो समाज के अनेक युवाओं को आगे बढ़ने का हौसला देती है। नीतीश कुमार यादव का जन्म महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी क्षेत्र के खटोटी कला गांव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ। उनके पिता श्रद्धानंद यादव गांव के पूर्व सरपंच रह चुके हैं। ग्रामीण परिवेश में पले–बढ़े नीतीश का जीवन शुरू से ही चुनौतियों से भरा रहा। बचपन में गंभीर बीमारी और लगातार रहने वाले शारीरिक दर्द के कारण उनका शारीरिक विकास सामान्य बच्चों की तरह नहीं हो सका। बताया जाता है कि उनका कद लगभग तीन फुट और वजन करीब 21 किलोग्राम के आसपास है। इस शारीरिक स्थिति के कारण उनके लिए चलना–फिरना भी आसान नहीं था। परिवार के अनुसार डॉक्टरों ने उस समय यह तक कह दिया था कि उन्हें पूरी जिंदगी दवाइयों के सहारे ही रहना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में परिवार के सामने यह चिंता भी थी कि क्या उनका बच्चा सामान्य जीवन जी पाएगा और पढ़ाई कर सकेगा या नहीं।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण नीतीश करीब बारह से तेरह वर्ष की आयु तक नियमित रूप से स्कूल नहीं जा सके। यह वह समय था जब अधिकांश बच्चे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी कर रहे होते हैं, लेकिन नीतीश का बचपन बीमारी और उपचार के बीच बीत रहा था। इसके बावजूद उनके परिवार ने उम्मीद नहीं छोड़ी। उनके माता–पिता ने हर परिस्थिति में उनका मनोबल बनाए रखने की कोशिश की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस कहानी का एक अत्यंत भावनात्मक पहलू उनकी मां का त्याग और समर्पण है। जब उन्होंने पढ़ाई शुरू की तो शुरुआती दिनों में उनकी मां उन्हें गोद में उठाकर स्कूल तक लेकर जाती थीं। ग्रामीण परिवेश के साधारण सरकारी विद्यालय से शुरू हुई यह शिक्षा धीरे–धीरे उनके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बनती चली गई। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन माता–पिता ने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। गांव के एक शिक्षक ने भी उनकी लगन को देखते हुए उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया। यही प्रेरणा धीरे–धीरे उनके जीवन की दिशा तय करने वाली साबित हुई। जिससे उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास पैदा हुआ और उन्होंने अपने जीवन को एक नई दिशा देने का निश्चय किया। धीरे–धीरे उनका ध्यान पढ़ाई की ओर केंद्रित होने लगा और उन्होंने यह तय कर लिया कि वे जीवन में कुछ बड़ा हासिल करेंगे। समय के साथ पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बढ़ती गई। हालांकि शारीरिक सीमाओं के कारण उनके लिए सामान्य जीवन की गतिविधियां भी कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाती थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आधुनिक तकनीक ने उनकी पढ़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंटरनेट, ऑनलाइन व्याख्यान, डिजिटल नोट्स और विभिन्न शैक्षणिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्होंने अपनी तैयारी को आगे बढ़ाया। आज के डिजिटल युग में उपलब्ध संसाधनों का उन्होंने पूरी तरह उपयोग किया और अपनी शारीरिक सीमाओं को अपनी पढ़ाई के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया।

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में गिनी जाती है। इसमें सफलता पाने के लिए वर्षों की तैयारी, धैर्य, अनुशासन और लगातार प्रयास की आवश्यकता होती है। लाखों अभ्यर्थी हर साल इस परीक्षा में शामिल होते हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग ही अंतिम सफलता तक पहुंच पाते हैं। नीतीश कुमार यादव के लिए यह रास्ता और भी कठिन था क्योंकि उन्हें अपनी शारीरिक सीमाओं के साथ–साथ मानसिक और सामाजिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा था। इसके बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने लगातार प्रयास जारी रखा और कई बार असफल होने के बावजूद अपने हौसले को कमजोर नहीं होने दिया। कई वर्षों की तैयारी और लगातार प्रयासों के बाद उन्होंने लगभग सात प्रयासों के बाद अंततः सफलता हासिल की। यह सफलता उनके धैर्य और अटूट आत्मविश्वास का परिणाम है। तैयारी के दौरान उन्होंने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी साहित्य को चुना। यह विषय उनके लिए अभिव्यक्ति और विचारों को समझने का एक सशक्त माध्यम बना। निरंतर अभ्यास, विषय की गहरी समझ और लगातार अध्ययन ने उन्हें इस विषय में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की और अंततः वे बेहतर रैंक हासिल करने में सफल रहे। नीतीश की सफलता के पीछे उनके परिवार का सहयोग सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आया। उनके माता–पिता ने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया और उन्हें कभी भी हिम्मत हारने नहीं दी। परिवार के एक रिश्तेदार, जो भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं, ने भी समय–समय पर उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। कठिन समय में परिवार और समाज से मिला यही सहयोग उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा बन गया।

महेंद्रगढ़ जिला पहले भी कई प्रतिभाशाली युवाओं की सफलता के कारण चर्चा में रहा है। इसी जिले से पहले दृष्टिबाधित आईएएस अधिकारी अजीत कुमार यादव भी सिविल सेवा में चयनित हो चुके हैं। उनका चयन वर्ष 2008 की सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से हुआ था। पूरी तरह दृष्टिबाधित होने के बावजूद उन्होंने यह कठिन परीक्षा पास की और बाद में वे उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी बने और आज भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी उपलब्धि भी दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा मानी जाती है। अब नीतीश कुमार यादव की सफलता ने उसी प्रेरणादायक परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किया है।

नीतीश की सफलता के बाद उनके गांव खटोटी कला और आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। परिवार, रिश्तेदार और ग्रामीण सभी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि इतने कठिन संघर्ष के बाद मिली यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। ग्रामीणों का मानना है कि नीतीश की उपलब्धि से गांव के बच्चों और युवाओं को नई प्रेरणा मिलेगी और वे भी बड़े सपने देखने का साहस करेंगे। नीतीश कुमार यादव की कहानी केवल एक परीक्षा में सफलता की कहानी नहीं है। यह कहानी उस विश्वास की कहानी है जो कठिन परिस्थितियों में भी इंसान को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सीमित संसाधनों, शारीरिक कठिनाइयों और कई बार की असफलताओं के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को कभी नहीं छोड़ा। उनकी सफलता यह भी बताती है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, महंगे कोचिंग संस्थानों या बड़े संसाधनों की मोहताज नहीं होती। अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो छोटे से गांव का युवा भी देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं तक पहुंच सकता है।आज जब उनकी सफलता की चर्चा हो रही है, तो यह केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस विश्वास का प्रतीक है कि संघर्ष और धैर्य अंततः सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। नीतीश कुमार यादव ने यह साबित कर दिया है कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता को सीमित नहीं करती। मजबूत इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास के साथ वही व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है। महेंद्रगढ़ के खटोटी कला गांव से निकलकर देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं की ओर बढ़ती उनकी यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए लंबे समय तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

# वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

–उमेश चतुर्वेदी–

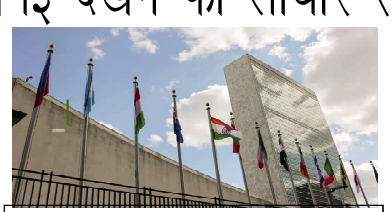



**संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देशय युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी।**

ईरान के खिलाफ अमेरिकी–इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम–कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखत हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली–जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए–नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म–निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है।

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर–टुकुर देखते को मजबूर रहता है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देशय युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। 1994 का रवांडा का नरसंहार हो या फिर 2011 में दक्षिण सूडान में हुआ गृहयुद्ध, 1995 में सर्ब सेना द्वारा बोस्निया में किया गया नरसंहार हो या फिर 2010 के दौरान हुई कथित अरब क्रांति की आड़ में हुई मध्य एशिया की हिंसा, किसी को भी रोकने में संयुक्त राष्ट्र अभियान सफल नहीं रहे।

संयुक्त राष्ट्र का मंच राष्ट्रों के बीच संवाद बढ़ाने और विवादों को सुलझाने के बजाय,उनके बीच गाली–गलौज और आपसी आलोचना का केंद्रभर बनकर रह गया है। अभी संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख और ताकतवर अंगर सुरक्षा परिषद है। इसका गठन ही गैरबराबरी को बढ़ावा देने का बड़ा आधार बन गया है। इसमें तीन राष्ट्र ऐसे हैं, जो अक्सर अपने वीटो पॉवर का इस्तेमाल नकारात्मक तरीके से करते हैं। अमेरिका, चीन और रूस की ज्यादातर भूमिका नकारात्मक रहती है। रही बात ब्रिटेन और फ्रांस की तो उनकी भूमिका मध्यमार्गी है। हालांकि वे भी महत्वपूर्ण मसलों में सीधे हस्तक्षेप करने की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा नहीं सकते। इसका ही असर है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने हमला कर रखा है और रूस एवं यूक्रेन के बीच चार साल से युद्ध जारी है। मानवाधिकार के मुद्दों पर भी संयुक्त राष्ट्र प्रभानवी नजर नहीं आता। कोविड महामारी के दौरान जिस तरह विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के साथ पक्षपात पूर्ण भूमिका निभाई, वह भी संयुक्त राष्ट्र की नाकामी प्रतीक है।

जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है। ऐसे में अगर दुनिया के देश संयुक्त राष्ट्र के औचित्य पर ही सवाल उठाने लगें तो दुनिया को हैरत नहीं होनी चाहिए।

## चुनाव में भ्रष्टाचार और हमारी आदत

–योगेन्द्र यादव –

“सर, मैं आपको 200 परसैंट बता सकता हूं। चुनाव की घोषणा 14 मार्च से पहले नहीं होगी। और ये भी बता दूं, बाकी राज्यों में चाहे जब हों, असम में चुनाव 14 अप्रैल से पहले हो जाएंगे। आप लिख लीजिए।” यह बात कोई 2 सप्ताह पहले की है। हम असम में सड़कों की खाक छान रहे थे। मैं सोच रहा था कि पिछली बार की तरह 4 राज्यों में चुनाव की घोषणा फरवरी के अंत या मार्च के पहले 1–2 दिन में हो जाएगी। जब नहीं हुआ तो असम के एक राजनीतिक कार्यकर्त्ता को फोन किया। उसने मेरे ज्ञान चक्षु खोल दिए। “देखिए सर, पी.एम. असम में 13 या 14 तारीख को आने वाले हैं। वह आकर कोई बड़ी घोषणा करेंगे। चुनाव आयोग उनका इंतजार करेगा, उसके बाद आचार संहिता लगाएगा। लेकिन उसके बाद असम में जल्दी से चुनाव करवाए जाएंगे। चूंकि इस बार बिहू के दौरान हर जगह जुबिन गर्ग की फोटो लगेगी, उसके गाने बजेंगे, जो लोगों को याद दिलाएंगे कि सरकार ने जुबिन की मौत की जांच नहीं करवाई। इसलिए भाजपा चाहती है कि 14 अप्रैल को बिहू शुरू होने से पहले–पहले चुनाव पूरे हो जाएं।”

और हुआ भी वही जो उसने कहा था। प्रधानमंत्री मोदी 13 और 14 मार्च को असम आए। दो दिन में उन्होंने असम के विकास के लिए दर्जनों योजनाओं की घोषणा की। किसान सम्मान निधि की अगली किस्त प्रदान की, चाय बागान के मजदूरों को जमीन का पट्टा बांटा, 3 नई रेलगाडियां शुरू कीं, सिल्चर से शिलोंग के एक्सप्रैस–वे का भूमि पूजन किया, एक नई जल–विद्युत परियोजना का समर्पण किया। कुल मिलाकर चुनाव की घोषणा से पहले 47,800 करोड़ रुपए बांटे। और हर भाषण में कांग्रेस की पिछली सरकार को कोसा। उसके ठीक अगले दिन, यानी 15 मार्च को, चुनाव आयोग ने 4 राज्यों में चुनाव की घोषणा कर दी और आचार संहिता लागू हो गई। खबर है कि चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। इस जुगलबंदी पर किसी को हैरानी नहीं हुई। इतना तो चलता ही है। हमें आदत पड़ चुकी है।

हमें आदत इस बात की भी पड़ चुकी है कि चुनाव से ठीक पहले सीधे वोटर के खाते में रिश्वत भेजी जाएगी। इस नई परंपरा का पालन करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भी चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के कल्याण की चिंता सताई। राज्य सरकार की अरुणोदय योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की 40 लाख महिलाओं को प्रति माह 1,250 रुपए मिलते हैं। लेकिन इस बार महिला कल्याण की विशेष ङ्क्षचता के चलते उन सभी महिलाओं के खाते में एकमुश्त 9,000 रुपए डाल दिए गए, 6 महीने का अग्रिम भुगतान और साथ में बिहू का बोनस भी। जाहिर है इस साल का बिहू कुछ विशेष है। साथ ही पिछले महीने बेरोजगार युवाओं को ‘जीवन प्रेरणा’ देने के लिए एकमुश्त 2,500 रुपए दिए गए। इस प्रेरणा के पीछे क्या प्रेरणा थी, इस पर किसी ने ध्यान भी नहीं दिया। रेवड़ी संस्कृति पर नाक–भौं सिकोडने वाले मीडिया ने नहीं, इस प्रवृति पर चिंता व्यक्त करने वाले सुप्रीम कोर्ट ने भी नहीं। इतना तो चलता ही है। हमें आदत पड़ चुकी है।

आजकल हमें इस बात की आदत भी पड़ चुकी है कि चुनाव आएंगे तो झूठ की आंधी लाएंगे।

# तेज रफ्तार ट्रक ने मां-बेटे को रौंदा, दर्दनाक मौत

संवाददाता-बहराइच। बहराइच-नानपारा मार्ग पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने मां-बेटे को रौंद दिया। मौके पर ही मां ने दम तोड़ दिया जबकि तड़प रहे बेटे की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। ट्रक एटा जिले से आलू की खेप लेकर बिहार जा रहा था। हरदी थाना के महसी गांव निवासी सोनू की ननिहाल मटेरा बाजार में है। नाना चतुरी की तबियत काफी दिनों से खराब चल रही थी। मंगलवार को सोनू अपनी पत्नी व बेटे के साथ मटेरा बाजार नाना के घर आया था। नाना का हालचाल लेने के बाद बुधवार सुबह सोनू अपनी पत्नी मंगला (23), पुत्र शिवा (02) और भतीजी के साथ बाइक से वापस महसी लौट रहा था। बाइक सवार सभी लोग जब बहराइच-नानपारा मार्ग पर मटेरा चौराहा पर पहुंचे तभी सोनू चौराहे पर सड़क किनारे बाइक रोक कर पान खाने लगा। बाइक के साथ उसकी पत्नी मंगला खड़ी थी जबकि बेटा शिवा और भतीजी बाइक पर ही बैठे थे इसी दौरान नानपारा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने जोर की टक्कर मारी। चपेट में आई मंगला ट्रक के पहिए के नीचे रौंदते हुए दूर तक घिसट गई। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि शिवा ने मेडिकल कालेज में दम तोड़ा। चपेट में आकर पति सोनू और भतीजी को भी हल्की चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना वीभत्स था कि ट्रक के पहिए के नीचे आने के बाद मंगला का सिर धड़ से अलग हो गया। उसका बायां हाथ भी बुरी तरह कुचल गया। वहीं, पुत्र शिवा का कमर के नीचे का हिस्सा भी बुरी तरह रौंद गया था। शिवा ने अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को मटेरा पुलिस ने पकड़ लिया है। थाना प्रभारी मटेरा हरिकेश सिंह ने बताया कि ट्रक चालक बदायूं निवासी पन्नालाल को भी हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ में पता चला है कि आलू लदा ट्रक एटा के कासगंज से बिहार के गोपालगंज जा रहा था।

# रामभर स्तूप परिसर में अवैध निर्माण का आरोप

संवाददाता-कुशीनगर। बुधवार को भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सौंपा। इसमें रामभर स्तूप (मुकुट बंधन चैत्य) परिसर में चल रहे कथित अवैध निर्माण कार्य को तत्काल रोकने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह स्थल भारत सरकार द्वारा संरक्षित एक ऐतिहासिक स्मारक है। इसे प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित किया गया है। इस कानून के अनुसार, स्मारक के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है, जबकि 200 मीटर का क्षेत्र विनियमित श्रेणी में आता है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि नगर परिषद से जुड़े कुछ लोगों ने पद का दुरुपयोग करते हुए स्मारक परिसर के भूमि अभिलेखों में बदलाव का प्रयास किया। इसके अलावा, बौद्ध मंदिर परिसर के पास सार्वजनिक शौचालय निर्माण के लिए एक गड्ढा खोदा गया है। यह गड्ढा सीमा दीवार से लगभग 43.4 मीटर की दूरी पर है। जिससे जमीन में दबे पुरातात्विक अवशेषों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष अयोध्या भाई ने बताया कि महापरिनिर्वाण महाविहार ट्रस्ट का बोर्ड हटाकर वहां पार्किंग और वेंडिंग ज़ोन का बोर्ड लगा दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर परिसर को कचरा वाहनों की पार्किंग और दुकानों के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की जा रही है, जिससे धार्मिक आस्था और राष्ट्रीय विरासत को क्षति पहुंच रही है। कार्यकर्ताओं ने जानकारी दी कि इस मामले में संबंधित विभागों को पहले भी पत्र भेजकर निर्माण कार्य रोकने की मांग की गई थी। लेकिन इसके बावजूद कार्य जारी है। इस संबंध में ट्रस्ट की ओर से उच्च न्यायालय में एक याचिका भी दायर की गई है।

# डीएम और एसपी लेहड़ा मंदिर पहुंचे, चैत्र नवरात्रि की तैयारियों का जायजा लिया, दिए निर्देश



संवाददाता-महाराजगंज। चैत्र नवरात्रि पर्व को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने बृजमनगंज क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध लेहड़ा देवी मंदिर का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

नवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए, डीएम और एसपी ने सेवा, सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने मंदिर के पुजारी से पूजा-पाठ और दर्शन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली, साथ ही सुरक्षा प्रबंधों की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान, मंदिर समिति और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर पर्व के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ ही स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दोनों अधिकारियों ने रूट प्लान और सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो और यातायात सुचारू रूप से चले। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में विद्युत प्रकाश व्यवस्था तथा चिकित्सा सुविधाओं की भी समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त बैरिकेडिंग, पंडाल और विश्राम स्थल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती, सीसीटीवी कैमरे और कंट्रोल रूम की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सभी से अपील की गई कि श्रद्धालु प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि वे सुविधा पूर्वक दर्शन कर सकें। इस दौरान एसडीएम फरेंदा के साथ ही अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता-बलरामपुर। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के तत्वावधान में ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन धीरू स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलरामपुर में किया गया। चेयरमैन डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी कमाल अहमद, उप क्रीड़ा अधिकारी प्रवेश कुमार रावत, बलरामपुर फुटबॉल के सचिव मो. हसन कुरैशी, नागेंद्र गिरी, हिना खातून, अमय सिंह और अतीकुर रहमान (गुड्डू) सहित स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलरामपुर के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारने का मंच है, बल्कि यह महिलाओं के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का भी प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि आज की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं, और खेल के माध्यम से वे अपने सपनों को साकार करने के साथ-साथ समाज को भी नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और नारी शक्ति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डॉ. सिंह ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही मैदान में खिलाड़ियों का जोश और उत्साह देखने को मिला। विभिन्न जनपदों से आई टीमों ने अपनी तैयारी और कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया।

यह प्रतियोगिता नारी शक्ति, खेल भावना और प्रतिभा के प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण मंच बन रही है, जो प्रदेश में खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में योगदान देगी।


अदालती नोटिस
प्रारूप 7
(देखे नियम-11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा-12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत-श्रीमान जे0एम0 / एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 190 / 2025
थाना-कोतवाली
जिला-बस्ती
श्रुति श्रीवास्तव आदि
बनाम
गौरव श्रीवास्तव आदि
1. गौरव श्रीवास्तव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र माया शंकर श्रीवास्तव पेशा एअरक्राफ्ट इंजीनियर (पति) 2. सौरभ श्रीवास्तव उम्र लगभग 31 वर्ष पुत्र माया शंकर श्रीवास्तव पेशा एस0के0 फाइनेन्स कम्पनी लखनऊ (देवर) 3. शुभम श्रीवास्तव उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र माया शंकर श्रीवास्तव पेशा वकालत (देवर) 4. मायाशंकर श्रीवास्तव उम्र लगभग 64 वर्ष पुत्र रामनरेश श्रीवास्तव पेशा वकालत (ससुर) 5. श्रीमती राजेश्वरी श्रीवास्तव उम्र लगभग 63 वर्ष पत्नी माया शंकर श्रीवास्तव पेशा रिटायर टीचर निवासीगण मकान नं0-433 निकट टेलीफोन कालोनी मायापुरम् मेवातियान थाना कोतवाली नगर गोण्डा हेड पोस्ट आफिस गोण्डा पिन कोड 271001 जिला गोण्डा 6. श्रीमती कविता श्रीवास्तव उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी विवेक श्रीवास्तव पेशा गृहणी (ननद) 7. विवेक श्रीवास्तव उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र लामालूम पेशा सरकारी टीचर (नन्दोई) हाल मुकाम मोहल्ला नगरा कालेनी मैथमेटिक्स कोचिंग सेन्टर खीरीघाटा पोस्ट वो थाना पुरानी बस्ती जिला बस्ती पिनकोड 272002
-विपक्षीगण
तारीख पेशी 16-04-2026
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा- 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है / किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 16 मास 04 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह / अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमें असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम


# गन्ना किसान गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता-महाराजगंज। गन्ना विकास परिषद गडौरा निचलौल ने बुधवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत एक वृहद गन्ना कृषक गोष्ठी और किसान मेले का आयोजन किया। निचलौल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार के लिए जागरूक करना था। इसमें सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। किसान मेले में विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों के स्टॉल लगाए गए थे। विशेषज्ञों ने किसानों को गन्ने की नवीन प्रजातियों और सहफसली खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वैदिक खेती प्राकृतिक खेती के निदेशक रामगोपाल पटेल ने नैनो उर्वरक की अद्वितीय क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह सामान्य उर्वरकों की तुलना में कई गुना अधिक लाभकारी है और इसके प्रयोग से फसल तथा खेत को होने वाले नुकसान कम होते हैं। इफको के एरिया मैनेजर विनोद मौर्य और कृषि विज्ञान केंद्र बसुली के डॉ. दिनेश यादव ने भी किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक तेज प्रताप सिंह ने कहा कि नैनो उर्वरक किसानों के जीवन में बदलाव ला रहा है और यह स्वच्छ व हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देता है। बुलाकी यादव ने पेश किया गया। यह मामला नीमन किसानों को गन्ना प्रजाति को0 16202, को0 18231, को0 7451 और पानी सहन करने वाली सामान्य प्रजाति कोश 10239 की समय पर बुवाई करके अधिक उपज लेने की सलाह दी। किसानों ने फसल उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों से प्रश्न पूछे और नैनो उर्वरक के सही उपयोग की विधि जानी।

# 9 वर्षों में विकास, सुशासन और सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां -विधायक



संवाददाता-बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सजीव प्रसारण को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन ने सुना। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित कर लाभ भी वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर बलरामपुर सदर विधायक, तुलसीपुर विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी (डीएम) और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सदर विधायक पलटूराम ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में प्रदेश ने विकास, सुशासन और सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर चलते हुए गरीब, किसान, महिला और युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश अब निवेश और रोजगार का केंद्र बन गया है, जबकि पहले यह पिछड़ेपन के लिए जाना जाता था।

जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने बताया कि जागरूकता रथ गांव-गांव जाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी देगा, जिससे अधिक से अधिक पात्र लोग लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने भी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का आश्वासन दिया।

# 1,711 युवाओं को रोजगार मेले में मिली नौकरी



संवाददाता-देवरिया। राजकीय आईटीआई परिसर में बुधवार को एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में देश की एक दर्जन से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। कुल 4441 अभ्यर्थियों ने रोजगार के लिए आवेदन किया, जिनमें से 1711 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह के निर्देशन और समन्वय में आयोजित इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 30 कंपनियों के एचआर प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार लिए। चयन प्रक्रिया दोपहर 3 बजे तक जारी रही, जिससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर मिले। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने फीता काटकर किया। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर और नियुक्ति पत्र वितरित किए। मंत्री ने श्रम हितलाभ योजनाओं के तहत चेक भी प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे मेलों से अधिक से अधिक युवाओं को अवसर मिल रहे हैं। इस मेले में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा और उप श्रमायुक्त शक्ति मौर्य सहित कई अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक रास बिहारी चतुर्वेदी और जिला सेवायोजन अधिकारी रोहन अपूर्व सिन्हा ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी और अन्य युवाओं को निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

# जेल भेजे गए डीसी निर्माण विद्याभूषण मिश्रा

संवाददाता-गोंडा। पुलिस ने जिला समन्वयक निर्माण बेसिक शिक्षा विद्या भूषण मिश्रा को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। विद्या भूषण मिश्रा सहित तीन लोगों पर गोंडा के 564 परिषदीय स्कूलों में डेस्क सप्लाई के नाम पर चयनित फर्म से कमीशन मांगने का आरोप है। यह मुकदमा नगर कोतवाली में दर्ज है। पुलिस ने विद्या भूषण मिश्रा को कल देर शाम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से हिरासत में लिया था। गिरफ्तारी के बाद उनका मेडिकल परीक्षण गोंडा मेडिकल कॉलेज में कराया गया, जिसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। यह मामला नीमन सिटिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक मनोज कुमार पांडेय की शिकायत पर दर्ज हुआ था। एंटी करप्शन कोर्ट गोरखपुर के आदेश पर 4 नवंबर को नगर कोतवाली में निलंबित पूर्व बीएसए अतुल कुमार तिवारी, जिला समन्वयक जेम पोर्टल प्रेमशंकर मिश्रा और विद्या भूषण मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

# हिंदू नववर्ष पर कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाली

संवाददाता-महराजगंज। परतावल में चैत्र रामनवमी की पूर्व संध्या पर हिंदू नव वर्ष के स्वागत में एक मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पूर्व जिला पंचायत सदस्य काशीनाथ सिंह के नेतृत्व में निकाली गई। रैली आजाद नगर स्थित उनके आवास से शुरू हुई। रैली आजाद नगर से निकलकर पोस्ट ऑफिस, परतावल बाजार, बभनौली, परतावल चौराहा, छातिराम, हॉस्पिटल रोड, नौरंगा टोला, परतावल कस्बा और तिवारी टोला होते हुए पुनः काशीनाथ सिंह के आवास पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम', 'जय श्री राम', 'हर हर महादेव' और शहिंदू नववर्ष मंगलमय होश जैसे नारों के साथ नगरवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

परतावल चौराहे पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए काशीनाथ सिंह ने बताया कि 19 मार्च को चैत्र रामनवमी के साथ विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ हो रहा है, जो हिंदू नव वर्ष का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इसी दिन भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे थे। साथ ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिवस भी इसी दिन मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी।

इस कार्यक्रम में विजय जायसवाल, राजन वर्मा, बलराम गुप्ता, रवि राणा, संदीप रंजन, रमेश मोदनवाल, गंगाधर पांडेय, मुकुल शर्मा, संजय जायसवाल, जगदीश तिवारी, टुनटुन चौधरी, सोहन चौधरी, आदर्श ओसीयार यादव, शनि साहनी, शीत जायसवाल, विनय सिंह, प्रमोद चौरी, राहुल और सूरज शर्मा सहित सैकड़ों हिंदू युवा वाहिनी एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। रैली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

# नवसंवत्सर 2083 की पूर्व संध्या पर भव्य रामकोट परिक्रमा, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम




-भारतीय बस्ती संवाददाता- अयोध्या। नवसंवत्सर 2083 विक्रमी संवत के शुभारंभ की पूर्व संध्या पर बुधवार को रामनगरी अयोध्या में आस्था, परंपरा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। मत्तगजेंद्र मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत निकली रामकोट परिक्रमा इस पावन अवसर का मुख्य आकर्षण रही। संध्या लगभग 4रू30 बजे संतों के जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष के साथ परिक्रमा का शुभारंभ हुआ, जिसने संपूर्ण वातावरण को राममय बना दिया।परिक्रमा में रामनगरी के हजारों साधु-संत, गृहस्थ, महिलाएं और श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। परिक्रमा मार्ग को जगह-जगह भव्य तोरण द्वारों से सजाया गया था, जो इस आयोजन की दिव्यता को और बढ़ा रहे थे। रथ पर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, गणेश जी और हनुमान जी के सजीव स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। हाथी, घोड़े और बैंड-बाजों की मनोहारी प्रस्तुति ने इस आध्यात्मिक यात्रा को और भव्य बना दिया।

इस अवसर पर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि रामकोट की परिक्रमा भारतीय संस्कृति की आदि परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सभी देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भैया जी जोशी ने कहा कि अयोध्या, माता सरयू के पावन सानिध्य में स्थित यह नगरी केवल एक स्थान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और मर्यादा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि हमें भगवान श्रीराम की अपेक्षाओं को समझकर जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।महंत मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर रामकोट की परिक्रमा हमारी संस्कृति की सुदृढ़ व्यवस्था है और इसमें सहभागिता करना हम सभी का दायित्व है।परिक्रमा में प्रमुख रूप से भैया जी जोशी, श्रीमद् जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य, श्री रामवल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी रत्नेशप्रपन्नाचार्य, लक्ष्मण किला पीठाधीश्वर महंत मैथिली रमण शरण, अर्जुनद्वाराचार्य जगतगुरु स्वामी रामभूषण दास, कृपालु जी महाराज, बावन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण, महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, महामंडलेश्वर गिरीश दास, श्री राम आश्रम के महंत जयराम दास, महामंडलेश्वर गणेशानंद दास, महंत राममिलन शरण, महंत श्यामसुंदर दास, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य राकेश तिवारी,

महंत शशिकांत दास, महंत मनीष दास, विश्वकर्मा मंदिर के महंत महामंडलेश्वर महेश दास, श्री लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा, संघ के प्रांत प्रचारक कौशल, पुजारी रमेश दास, अधिकारी छविराम दास, अयोध्या के प्रथम मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र, भाजपा नेता संजीव सिंह, कमलेश श्रीवास्तव सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।इस भव्य आयोजन के साथ ही गुरुवार प्रातः से श्रीराम नवमी महोत्सव का विधिवत आगाज होगा, जिसकी तैयारियां पूरे शहर में जोरों पर हैं। रामनगरी अयोध्या एक बार फिर अपने आराध्य के स्वागत में पूर्णतः सज-धज कर तैयार है।

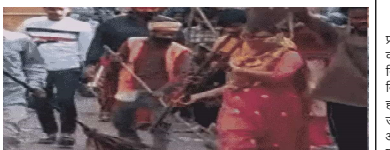

# सफाईकर्मियों ने कूड़े को सड़कों पर फैलाया, कूड़ेदानों को उठाकर नगर पंचायत कार्यालय के गेट पर रखा



संवाददाता-बहराइच। रुपईडीहा नगर पंचायत में प्रशासनिक खींचतान के कारण साफ-सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत-नेपाल सीमा से सटे इस क्षेत्र में नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य और अधिशासी अधिकारी (ईओ) रामबदन यादव के बीच चल रहे विवाद ने स्थिति को बिगाड़ दिया है, जिससे आम जनता को परेशानी हो रही है।

बुधवार को स्थिति तब और बिगड़ गई जब सफाईकर्मियों ने काम बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सुबह से ही उन्होंने कस्बे में सफाई कार्य का बहिष्कार किया और जगह-जगह जमा कूड़े को सड़कों पर फैला दिया। विरोध जताते हुए कूड़ेदानों को उठाकर नगर पंचायत कार्यालय के गेट और अध्यक्ष के आवास के सामने भी डाल दिया गया।

सफाईकर्मियों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त संसाधन और उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें काम करने में कठिनाई हो रही है। उनका यह भी कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर सहयोग न मिलने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है।

नगर अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य ने आरोप लगाया कि यह पूरा घटनाक्रम अधिशासी अधिकारी की शह पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि ईओ लंबे समय से अनुपस्थित थे और वेतन रोके जाने के बाद अब वे व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। अध्यक्ष ने ईओ पर बिना अनुमति नगर पंचायत कार्यालय को दूसरी इमारत में स्थानांतरित करने की कोशिश का भी आरोप लगाया।

दूसरी ओर, अधिशासी अधिकारी रामबदन यादव ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी बाद में मिली और उन्होंने सफाईकर्मियों को समझाने का प्रयास किया है। ईओ के अनुसार, कर्मियों की मुख्य समस्या उपकरणों की कमी है और इस मामले में सहयोग की आवश्यकता है।

रुपईडीहा एक सीमावर्ती और व्यस्त बाजार क्षेत्र है, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता

# नव निर्माण के नौ वर्ष पर प्रदर्शनी शुरू

संवाददाता-श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के श्नव निर्माण के नौ वर्षश् पूरे होने के उपलक्ष्य में एक नौ दिवसीय प्रदर्शनी और मेले का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश मिश्रा और जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मेले में ग्राम विकास, पंचायती राज, पूर्ति, शिक्षा, समाज कल्याण, पुलिस, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, नगर पंचायत और स्वास्थ्य विभाग समेत कई विभागों ने अपने स्टॉल लगाए हैं। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इन स्टॉलों का भ्रमण कर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ली और उनके क्रियान्वयन का जायजा लिया। कार्यक्रम के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत 7 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, निक्षय मित्र पहल के अंतर्गत 5 टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान की गई। स्थानीय कलाकारों राजकुमार और केके वैश्य ने भक्तिगीत प्रस्तुत किए, जिसकी दर्शकों ने सराहना की। जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास की नई दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना मजबूत हुई है, साथ ही कानून-व्यवस्था में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका लक्ष्य आम जनता को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें उनका लाभ दिलाना है।

# कलेक्ट्रेट पहुंचे नाराज शौचालय केयरटेकर:मानदेय में देरी का दावा

संवाददाता-बलरामपुर। सामुदायिक शौचालय के केयरटेकर बुधवार को उत्पीड़न के खिलाफ जिलाधिकारी से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासनिक अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। सामुदायिक शौचालय केयरटेकर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सनी कुमार के नेतृत्व में जिले भर के केयरटेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी की। उत्पीड़न के विरुद्ध नाराजगी व्यक्त करते हुए आदर्श सामुदायिक शौचालय केयरटेकर संगठन की जिलाध्यक्ष आरती देवी ने बताया कि केयरटेकर सामुदायिक शौचालयों पर अपनी ड्यूटी दे रहे हैं, लेकिन विभाग या समूह द्वारा मानदेय में विलंब के कारण उन्हें भुगतान नहीं मिल पा रहा है। इससे उनके पारिवारिक जीवन में संकट उत्पन्न हो गया है। संगठन के उपाध्यक्ष रामकुमार और सचिव मनोज कुमार ने मांग की कि जनप्रतिनिधियों द्वारा केयरटेकरों का उत्पीड़न रोका जाए। उन्होंने केयरटेकरों को स्थायी करने और उन्हें आयुष्मान कार्ड का लाभ दिलाने की भी अपील की। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो केयरटेकर प्रदेश स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय पाल, राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री शिव कुमारी, प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार, प्रदेश सूचना प्रभारी आकाश सागर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सनी कुमार, काजल सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

# नौ वर्षों में प्रदेश ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलावः विधायक बोले– भयमुक्त वातावरण, सशक्त कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा में अग्रणी

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर जनपद मुख्यालय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अम्बेडकर सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ से लाइव प्रसारण हुआ। जिसको बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने देखा। कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों, कानून व्यवस्था में सुधार और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान बांसी के विधायक एवं पूर्व मंत्री जय प्रताप सिंह, कपिलवस्तु के विधायक श्यामधनी राही, शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सभी जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

बांसी के विधायक एवं पूर्व मंत्री जय प्रताप सिंह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखे हैं। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले प्रदेश में कानून व्यवस्था अस्थिर थी, महिलाओं की सुरक्षा अपर्याप्त थी और माफियाओं का प्रभाव था। अब प्रदेश भयमुक्त वातावरण, सशक्त कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा में अग्रणी बन गया है।

विधायक जय प्रताप सिंह ने आगे कहा कि सरकार ने विकास और कल्याण को प्राथमिकता दी है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का व्यापक विस्तार हुआ है। उन्होंने बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग जैसे क्षेत्रों में हुए व्यापक सुधारों पर भी प्रकाश डाला। आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और डीबीटी प्रणाली के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। कोविड–19 महामारी के दौरान करोड़ों लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया गया। कपिलवस्तु के विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रदेश में 2017 के बाद कानून और व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सुधरी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में शांति और सुरक्षा स्थापित हुई है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का विवरण देते हुए कहा कि सड़क निर्माण, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का निर्माण तेजी से हुआ है। इस अवसर पर उन्हें जिले के अधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र और आर्थिक सहायता के रूप में चेक प्रदान किया गया, जिससे उनके क्षेत्र में विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने कहा कि प्रदेश में भयमुक्त और सुरक्षित वातावरण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले जहां क्षेत्र में अपराध और अव्यवस्था का माहौल था, वहीं अब विकास और कानून व्यवस्था का नया युग शुरू हुआ है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में रजिस्ट्री कार्यालय, बस स्टेशन, फायर स्टेशन और मछली मंडी जैसी प्रमुख परियोजनाओं का उल्लेख किया। जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह ने कहा कि यह दिन प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर विकासशील और सशक्त राज्य के रूप में पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि बेटियां सुरक्षित है, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है, और विकास कार्य अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 9 वर्षों में प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह आम जनता के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही कुछ लाभार्थियों को वित्तीय सहायता के लिए चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर श्यामधनी राही सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों में लाभार्थियों को दिए गए चेक और सम्मान का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

अंत में जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सरकार की नीतियों और योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनंदन दूबे, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी बीएस यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# गोरैया कभी हमारे घर–आंगन का अभिन्न हिस्सा, संरक्षण जरुरी

**संवाददाता–गोरखपुर।** यूं तो 20 मार्च को गोरैया संरक्षण दिवस मनाया जाएगा लेकिन गोरखपुर नगर निगम में गुरुवार को गोरैया (हाउस स्पैरो) के संरक्षण पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में स्कूल छात्रों को घोसला वितरित कर उन्हें गोरैया संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाएगा। गोरैया पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी प्रदर्शन होगा। इसके अलावा गोरैया संरक्षण के लिए पिछले एक दशक से प्रयासरत मनीष वर्मा का सम्मान कर उनका हौसला भी बढ़ाया जाएगा।यह जानकारी अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि हेरिटेज फाउंडेशन, गोरखपुर वन प्रभाग, शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणि उद्यान एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान में यह आयोजन गुरुवार को 12 बजे नगर निगम सदन हाल में होगा।

इस कार्यक्रम में विविधि स्कूलों के छात्र भी हिस्सा लेंगे। प्रमोद कुमार ने बताया कि गोरैया कभी हमारे घर–आंगन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी, लेकिन आज इसकी संख्या तेजी से घट रही है। ऐसे में इसका संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूरे पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी है।कीटभक्षी यह पक्षी फसलों व पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों को खाकर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखती है। इससे रासायनिक कीटनाशकों की जरूरत भी कम होती है। हेरिटेज फाउंडेशन की संरक्षिका डॉ अनिता अग्रवाल कहती हैं कि गोरैया को इंडिकेटर स्पीशीज माना जाता है। यानी जहां गोरैया रहती है, वहां का वातावरण अपेक्षाकृत स्वच्छ और संतुलित होता है। इनके गायब होने का मतलब है कि शहरी जीवनशैली प्रकृति के अनुकूल नहीं रह गई है। वे कहती हैं कि गोरैया को बचाना, दरअसल हमारे पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करना है।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, हेरिटेज फाउंडेशन की संरक्षिका डॉ अनिता अग्रवाल, डीएफओ विकास यादव, प्राणि उद्यान के निदेशक डॉ योगेश कुमार श्रीवास्तव, अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र, प्रमोद कुमार एवं अतुल कुमार समेत अन्य शामिल होंगे। हेरिटेज फाउंडेशन की ओर से मनीष चौबे, आशीष कुमार, गौरव पाण्डेय, अमृता मेहरोत्रा और राजीव उपस्थित रहेंगे।

# 10 वर्षीय बालक ने की आत्महत्या

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** खेसरहा थाना क्षेत्र के बरैनिया गांव में एक 10 वर्षीय बच्चे ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दिवेश पुत्र राम प्रसाद के रूप में हुई है। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह लगभग 8 बजे की है। दिवेश की मां कमला देवी खेत में सरसों तोड़ने गई हुई थीं। जब वह घर लौटीं, तो उन्होंने बच्चे को घर के अंदर पाइप से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ पाया। मां की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। बताया गया है कि घटना के समय दिवेश की बहन अंशिका घर पर खाना बना रही थी। परिवार के अन्य सदस्य, बड़े भाई दीपक और पिता गुवाहाटी में मजदूरी करने गए हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। कुर्थिया पुलिस चौकी प्रभारी जगत नारायण यादव ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल, बच्चे द्वारा फांसी लगाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है।

# विकास भवन में तैनात था सफाई कर्मी, बाबू बन करता था काम, रंगे हाथ गिरफ्तार

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** विकास भवन में तैनात एक सफाई कर्मी को टीम ने घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। टीम उसको लेकर कोतवाली आई है। सफाई कर्मी राजन डीपीआरओ कार्यालय में बाबू बन कर करता था काम। टीम पूछताछ में जुटी है। एक साल पहले हल्का लेखपाल ने जमीन की पैमाइश व सीमांकन के लिए पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। काफी सिफारिश के बाद भी वह नहीं माने और कहा था कि जब तक रुपये नहीं मिलेगा वह जमीन की पैमाइश नहीं करेंगे। थक हारकर पीड़ित रिश्वत की रकम न देकर भ्रष्टाचार निवारण संगठन के पास पूरे मामले की शिकायत की। जांच में मामला सही पाए जाने पर चकबंदी विभाग में तैनात खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के एक लेखपाल को विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को सात हजार रुपये रिश्वत लेते दबोच लिया था। ऐसे ही, 2024 में भी चकबंदी विभाग में तैनात खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के एक लेखपाल को विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को सात हजार रुपये रिश्वत लेते दबोच लिया। गाटा बदलने को लेकर सीओ चकबंदी न्यायालय में चल रहे केस की पत्रावली में आख्या लगाने के लिए लेखपाल ने पीड़ित से 10 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी।

# पुलिस ने महिला का खोया बैग बरामद किया, पर्स में रखे जेवरात लौटाए

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का एक उदाहरण सामने आया है। मोहाना पुलिस ने एक महिला का खोया हुआ बैग बरामद कर उसे सुरक्षित वापस लौटा दिया। इस बैग में लगभग 30 हजार रुपये के कीमती जेवर और अन्य सामान मौजूद था।

जानकारी के अनुसार, नेपाल निवासी कपूरा लोध का बैग यात्रा के दौरान एक ऑटो में छूट गया था। बैग में सोने का मंगलसूत्र, चांदी के आभूषण और अन्य आवश्यक दस्तावेज रखे हुए थे। इन सभी सामानों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 30 हजार रुपये बताई गई है। बैग खो जाने के बाद महिला काफी चिंतित थी।

बुधवार को इस घटना की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच पड़ताल तेज कर दी। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और उस ऑटो की पहचान की जिसमें बैग छूटा था। विभिन्न स्थानों पर पूछताछ और लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आखिरकार खोया हुआ बैग बरामद कर लिया। बरामद किए गए बैग में रखे सभी आभूषण और अन्य सामान पूरी तरह सुरक्षित पाए गए। इसके बाद, महिला कपूरा लोध को थाने बुलाया गया और उनका बैग उन्हें सौंप दिया गया। अपना कीमती सामान वापस पाकर महिला ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। इस पूरी कार्रवाई में ककरहवा चौकी की पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने अपनी तत्परता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए कम समय में इस सफलता को हासिल किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी कार्रवाई से जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत होती है।

# पुलिस ने चलाया मिशन शक्ति अभियानः ग्राम चौपाल लगाकर महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की जानकारी दी

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** पुलिस ने पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करना है। इसके तहत जनपद के दुधारा थाना पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों को उनकी समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण के लिए जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत दुधारा थाना की एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं और आमजन को मिशन शक्ति 5.0 के बारे में जानकारी दी। टीमों ने महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम, उनके अधिकारों की रक्षा और आत्मरक्षा के उपायों पर विस्तार से बताया।

जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। इनमें महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 और बलइमतबतपउम.हवअ.पद पोर्टल शामिल हैं। लोगों को इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत दुधारा थाना की एंटी रोमियो टीम ने खटियाव और पिपरा बोरिंग चौराहा में महिलाओं, बालिकाओं और स्कूली छात्राओं को पैम्फलेट वितरित कर जागरूक किया। महिला बीट अधिकारियों और मिशन शक्ति टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल शैली में संवाद सत्र आयोजित किए।

इन सत्रों में महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, आत्मरक्षा के उपायों और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। उन्हें निडर होकर अपनी बात रखने और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

# पीस कमेटी की बैठक, नवरात्रि–ईद पर शांति की अपील



**संवाददाता–संतकबीरनगर।** धर्मसिंहवा थाने में आगामी चैत्र नवरात्रि और ईद–उल–फितर के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना था। पुलिस प्रशासन ने बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों से त्योहारों को पारंपरिक तरीके से और मिलजुल कर मनाने की अपील की। साथ ही, किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और उनसे बचने का आग्रह किया गया। थाना अध्यक्ष अमित कुशवाहा ने बताया कि त्योहारों के मद्देनजर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कोई भी नई परंपरा शुरू करने की अनुमति नहीं होगी और सभी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

नगर पंचायत धर्मसिंहवा को मंदिरों, मस्जिदों और जुलूस वाले मार्गों पर साफ–सफाई तथा पानी की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर थाने के कर्मचारी, नगर पंचायत के प्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

# अकबरपुर डाकघर में बम की सूचना से हड़कंप, पुलिस को जांच में कुछ नहीं मिला

**संवाददाता–अम्बेडकरनगर।** अकबरपुर प्रधान डाकघर में उस समय हड़कंप मच गया जब आरपीओ लखनऊ को एक मेल के जरिए परिसर में बम रखे होने की सूचना मिली। यह मेल श्तमिल मुक्ति संगठनश् द्वारा भेजा गया था, जिसमें दावा किया गया था कि पासपोर्ट डाकघर परिसर के वॉशरूम में 19 साइनाइड गैस बम रखे गए हैं।

सूचना मिलते ही एलआईयू और अकबरपुर थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने डाकघर के विभिन्न हिस्सों की गहनता से जांच की। विस्तृत तलाशी के बाद स्थिति सामान्य पाई गई और कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। तमिल मुक्ति संगठन ने अपने मेल में दावा किया था कि ये बम दोपहर 2:10 बजे फटेंगे। मेल में सभी को तुरंत बाहर निकलने और नाक व मुंह ढकने की सलाह दी गई थी। संगठन ने तमिलनाडु की समस्याओं के इंदौर तक लाने के लिए माफी भी मांगी थी। संगठन ने तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था और मीडिया पर भी गंभीर आरोप लगाए। मेल में कहा गया था कि मीडियाकर्मी उदयनिधि के गुलाम हैं और केवल डीएमके सरकार की तारीफें या उदयनिधि की आलोचना को कमजोर करने वाली बातें फैलाई जा रही हैं। इसमें तमिलनाडु में महिलाओं के साथ हुए बलात्कार की उन घटनाओं का भी जिक्र किया गया, जिनकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हुई। संगठन ने आरोप लगाया कि विदेशी लुटेरे एनजीओ और पेटा, फोर्ड फाउंडेशन जैसे संगठनों के नाम पर ट्रस्टों को भारी मात्रा में चंदा देते हैं, जो तमिलनाडु में विदेशियों का एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने धमकी दी कि अब वे लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर गोलियों और बमों के जरिए श्मां तमिलनाडुश को साफ करेंगे। मेल में यह भी धमकी दी गई थी कि यदि डीएमके 2026 का चुनाव जीतती है, तो उन्हें जीत के तोहफे के तौर पर अपने परिवार का एक सदस्य खोना पड़ेगा। अकबरपुर प्रधान डाकघर की पोस्टमास्टर नूतन सिंह ने बताया कि मेल की सूचना पर पुलिस को बुलाकर जांच कराई गई थी।

# शर्ट उतारकर बुलेट पर स्टंटबाजी करने वाला गिरफ्तार, बाइक सीज

**संवाददाता–गोरखपुर।** पीपीगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसमें दो युवक बाइक पर स्टंटबाजी करते नजर आ रहे हैं। बाइक चला रहा युवक शर्ट उतारकर अपनी बॉडी दिखा रहा था। खुद को टार्जन बताने वाले युवक को देर शाम पुलिस ने हिरासत में ले लिया। साथ ही बाइक को सीज कर दिया। वायरल वीडियो में बुलेट पर दो युवक नजर आ रहे हैं। ये वीडियो पीपीगंज इलाके का बताया जा रहा है। इसमें बाइक चला रहे युवक ने शर्ट नहीं पहनी है और वह बाइक चलाते हुए दोनों हाथ हैंडिल से हटा ले रहा है। इसके बाद वह अपनी बॉडी दिखा रहा है। सामने से कुछ युवक बाइक पर बैठे हुए रील बना रहे थे।

साथ ही उसे टार्जन कहकर बुला रहे हैं। वायरल वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है। दोपहर से वीडियो वायरल होने लगा तो लोगों ने सोशल मीडिया पर गोरखपुर पुलिस को टैग किया। इसमें लोग कह रहे हैं कि इस तरह के लोगों की वजह से ही सड़क पर हादसे होते हैं और मासूम लोगों की जान चली जाती है।

## अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 36/2026

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर

1– सोहबाती उम्र करीब 77 वर्ष पत्नी स्व0 राजाराम साकिन सरौली सोलह कंचनपुर तप्पा ऊटापार परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक

बनाम

ईस्टेट

विपक्षी

**तारीख पेशी– 25.03.2026**

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पत्नी मृतक राजाराम को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 25 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 47/2025

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर

1– मीना उर्फ उषा देवी 2. सुशीला देवी पत्नी प्रेम सागर 3. पुष्करमणि त्रिपाठी 4. हर्षमणि त्रिपाठी 6. शेषमणि त्रिपाठी पुत्रगण स्व0 प्रेम सागर निवासीगण ग्राम महादेवगजपुर तप्पा बुडढी परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक

बनाम

ईस्टेट

विपक्षी

**तारीख पेशी– 27.03.2026**

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पत्नी मृतक स्व0 प्रेमसागर पुत्र जगमोहन कुमार को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 27 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 42/2026

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर

1– कृष्णा दूबे उम्र 15 वर्ष नाबालिग पुत्र विनोद कुमार 2. सूर्या दूबे उम्र 13 वर्ष नाबालिग पुत्र विनोद कुमार संरक्षिका कान्ती देवी उम्र 59 वर्ष पत्नी मुरली प्रसाद 3. कान्ती देवी उम्र 59 वर्ष पत्नी मुरली प्रसाद साकिनान मौजा विहठा तप्पा सहिला परगना व तहसील नौगढ़ पोस्ट खखरा खुर्द जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक

बनाम

ईस्टेट

विपक्षी

**तारीख पेशी– 31.03.2026**

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पिता/पुत्र मृतक विनोद कुमार को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 31 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 18 को दिनांकित।

द0 हाकिम

# विदेश भेजने के नाम पर 78 हजार की जालसाजी

**संवाददाता–गोरखपुर।** विदेश भेजने के नाम पर क्षेत्र के सहबाजगंज निवासी एक व्यक्ति से जालसाज ने 78 हजार की जालसाजी कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस केस दर्ज किया है। सहजनवा थाना क्षेत्र के सहबाजगंज निवासी महेंद्र प्रताप सिंह ने एसएसपी से किए गए शिकायत में बताया कि कुशीनगर जिले कप्तानगंज थाना क्षेत्र के इंदुपुर निवासी एक जालसाज से मुलाकात हुई। छह माह पहले ही वह विदेश की बात हुई, जिसके बदले वह जालसाज विभिन्न खाता धारकों के खाते में 78हजार रूपये भेजवा लिया। बाद में मुझे पता चला वह जालसाज कई लोगों के साथ ऐसा किया है। फिर जब मैं पैसा मांगा तो अब जान से मारने की धमकी दे रहा है।

# रेलवे क्रॉसिंग के पास युवक का शव मिला

**संवाददाता–गोरखपुर।** क्षेत्र के जोन्हिया रेलवे क्रॉसिंग के पास बुधवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्टेशन अधीक्षक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां रेलवे ट्रैक किनारे लगभग 28 वर्षीय युवक मृत अवस्था में मिला। आरपीएफ के अनुसार, युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण आई चोट से हुई है। आसपास के लोगों से पहचान नहीं हो सकी। पुलिस शिनाख्त के प्रयास में जुटी है।

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण सं0 272/2019

राजेन्द्र आदि

बनाम

राधेश्याम आदि

1. राधेश्याम पुत्र राजदेव 2. श्रीमती मुराती देवी पत्नी राधेश्याम 3. गंगाराम पुत्र राजदेव 4. श्रीमती प्रमिला पत्नी गंगाराम 5. विरेन्द्र पुत्र राजदेव 6. श्रीमती चन्द्रकला पत्नी विरेन्द्र 7. रविन्द्र पुत्र राजदेव 8. श्रीमती ऊषा देवी पत्नी रविन्द्र 9. राम अनुज पुत्र त्रिवेणी 10. श्रीमती गुड़िया पत्नी राम अनुज निवासीगण ग्राम हरखौलिया उर्फ मटियरिया तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

**तारीख पेशी 25–03–2026**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 03 के 25 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com